Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

Original Article

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और 2047 के परिप्रेक्ष्य में भारत के परिदृश्य

डॉ. विशाखा कुमारी
विभाग अध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग सी. एम. बी. कॉलेज ड्योढ (घोघरडीहा, मधुबनी)
(A Constitutionnt Unit) ल. न. मि. वि. दरभंगा (बिहार)
Email: drvishakhabnmu@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2026-180225
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 2(A)
Pp. 129-131
February - 2026
Submitted: 17 Jan. 2026
Revised: 27 Jan. 2026
Accepted: 12 Feb. 2026
Published: 28 Feb. 2026

अमूर्त (Abstract):

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश के शैक्षिक इतिहास का एक युगांतकारी घटना है, यह हमारी विरासत की सनातन शिक्षा का संशोधात्मक रूप है इस नीति का लक्ष्य भारतीय संस्कृति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और तकनीकी नवाचार तीनों के संतुलन पर आधारित है। आज जब यूट्यूब, फेसबुक और इंटरनेट, विधर्थियो के सीखने का प्रमुख माध्यम है। इस परिपेक्ष्य में 2020 अधिक प्रासंगिक बन जाता है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित 2047 का लक्ष्य है" भारत को स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बनाना।" अनुसंधान और नवाचार भारत के भविष्य की कुंजी है। NEP 2000 ने शिक्षा को "Investment in Human Development" कहा। 2047 इस विचार को आगे बढ़ाकर शिक्षा को National Productivity तथा digital Knowladge society को प्रतिस्थापित करना है। Digital India Misson के साथ शिक्षा का एकीकरण NEP 2020 की सबसे बड़ी उपलब्धि है। 2047 तक भारत का लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक Digital Literacy प्राप्त करे और ग्रामीण शहरी अन्तर समाप्त हो। इस दिशा में SWAYAM, DIKSHA, e-Pathsala और National Digital University जैसी पहलो शिक्षा को सुलभ और सशक्त बनाया है।

Key-Words: *वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी नवाचार, विकसित राष्ट्र डिजिटल साक्षरता डिजिटल इंडिया, स्वयं, दीक्षा इत्यादि*

परिचय।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की शिक्षा नीति हमारी सनातन शिक्षा की विरासत का परिष्कृत संशोधात्मक रूप है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में अन्तनिहित क्षमता और योग्यता को विश्वव राष्ट्र समाज और व्यक्ति के हितों के मध्य तादात्म्य स्थापित करना है। इस संदर्भ में शिक्षा और Education का शाब्दिक विश्लेषण मुझे आवश्यक प्रतीत होती है की ताकि 2020 शिक्षा नीति का रचनात्मक पक्ष विश्लेषित और संश्लेषित हो सके।

शिक्षा शब्द की उत्पति संस्कृत के शिक्षा धातु: तथा दूसरा शिक्ष् (siks) धातु से हुई है, जिसका अर्थ क्रमशः सीखना और अनुशासन में रहना होता है। इसीतरह Education की व्युत्पत्ति लैटिन के Educatum तथा Duco से हुआ है इसका भी विश्लेषण है। बालक के अर्न्तनिहित गुणों को उभारना। इसे हम एक तालिका के द्वारा भी दिखा सकते हैं।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
डॉ. विशाखा कुमारी, विभाग अध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग सी. एम. बी. कॉलेज ड्योढ (घोघरडीहा, मधुबनी) (A Constitutionnt Unit) ल. न. मि. वि. दरभंगा (बिहार)

How to cite this article:
कुमारी, . विशाखा . (2026). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और 2047 के परिप्रेक्ष्य में भारत के परिदृश्य. Journal of Research & Development, 18(2(A)), 129–131. https://doi.org/10.5281/zenodo.18934050

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.18934050
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

Objectives-

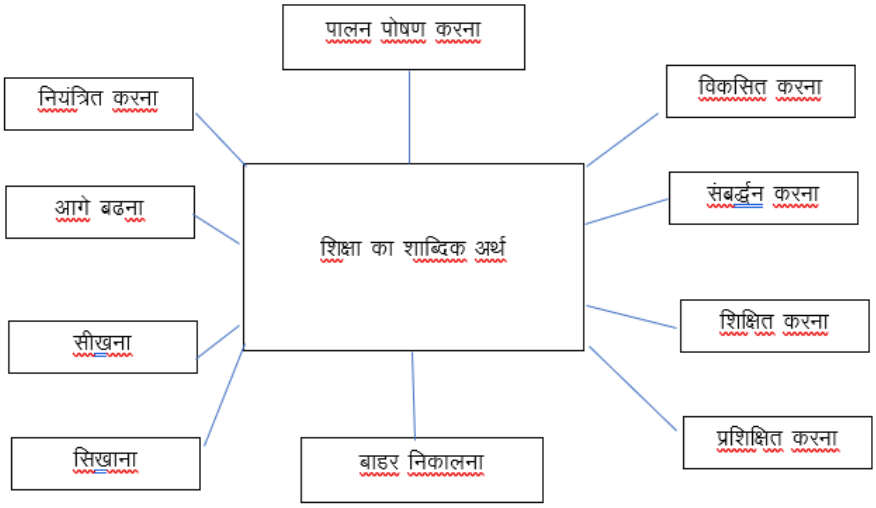

डेटा और कार्यप्रणाली:-

अब यक्ष प्रश्न है कि बालकों को शब्द का उच्चारण हुबहु करना चाहिए। तैत्तरीयोपनिषद् में कहा गया है-
शिक्षां व्याख्यास्यामः । वर्गः स्वरः मात्रा बलम्। साम संतानः ।

इत्युक्त शिक्षाहयायः 1

बालक के व्यक्तित्व के निर्माण में वेदाचार्य ने शिक्षा के साथ दीक्षा का अनिवार्य बताया है, इसके तीन सूत्र है- प्रथम सूत्र- सत्यं वद।
द्वितीय सूत्र- धर्म चर

तीसरा सूत्र- स्वाध्यायनामा प्रमदः 2

चाणक्य नीति में भी कहा गया है- सत्य के बल पृथ्वी का धारण होता है। रवि तपता है, वायु चलता है, सबकुछ सत्य में प्रतिष्ठित है। 3

राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 का रचनात्मक परिप्रेक्ष्य गुणवत्तपूर्ण इनकी संरचना विविध आयाम के स्पर्श करती है। इसके विषय चार भागों मे विभाजित है-
भाग प्रथम - यह स्कूली शिक्षा के संबंधित है- इसके आठ विषय है जैसे- समतामूलक और समावेशी
शिक्षा Goood Govermence
भाग द्वितीय - यच्चतर शिक्षा के संबंधित है इसके ग्यारह विषय है- जैसे नवाचार के साथ भविष्योन्मुखी
दृष्टिकोण ।
भाग- तृतीय - इसमे अन्य केन्द्रीय विचारणीय मुद्दों से संबंधित 5 विषय रखे गये हैं-

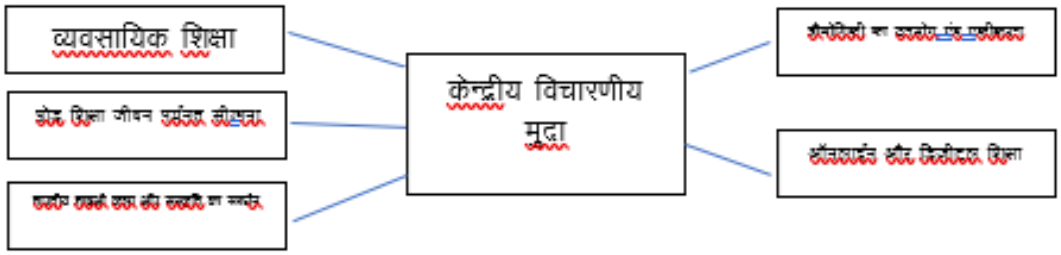

व्यवसायिक शिक्षा
प्रोड शिक्षा जीवन पर्यनत सीखना
भारतीय भापओं कला और संस्कृति का संबर्धन
केन्द्रीय विचारणीय मुदा
प्रौधोगिकी का उपयोग एंव एकीकरण
ऑनलाईन और डिजीटल शिक्षा

NEP 2020 में शिक्षा का लक्ष्य 2030 तक नीति का मूल्यांकन और लचीलापन को भी जोड़ा गया है ताकि 2040 के बाद नीति की समीक्षा हो। जहाँ तक लिंग की समानता की बात है जिसमें लड़कियों का AISHE 23-24 की उच्च शिक्षा में रिपोर्ट है 26% वृद्धि दर है

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

इसतरह NEP 2020 ने Graducation को "holistic और multidisciplinary" शिक्षा का आधार माना और महिलाओं के लिए की शिक्षा के लिए Gender inclusion Fund a Flexible pathways की व्यवस्था की, जिससे उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी तेजी से आगे बढ़ी।

2047 का रोडमैप भारत के भविष्य का परिकल्पनात्मक परिदृश्य है जिससे विकसित भारत @2047 कहा जाता है 2047 तक का भारत का लक्ष्य है, आर्थिक रूप से समृद्ध तकनी की रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से समानतावादी राष्ट्र बनाना। इसका नारा है- आत्मनिर्भर नवोन्मेषी और समावेशी भारत । इसे हासिल करने के लिए ज्ञान जरुरी है क्योंकि गीता में ज्ञान के संदर्भ में कहा गया है.

नहि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विधते । 4

चूंकि शिक्षा और कौशल विकास हर स्कूल घर महाविधालय में अनिवार्य है । NCERT ने भी ज्ञान के महत्त्व में को स्वीकारा है। इस संदर्भ में कथन है. "Knowledge is the backbone of devloponent and research-based education as the Key to Vesion 2047" 5 अनुसंधान और नवाचार उच्च शिक्षा में शोध संस्कृति को बढ़ावा देना है लेकिन यह मौलिक और लोक हितकारी बना रहे क्योंकि भारत का लक्ष्य शोध को वैश्विक स्वरूप में निरूपित करना है। Telak, J.B.G ने कहा है- Rese arch-driven innovation Will be positive India as a global"

Knowledge hub by 2047." 2047 6 तक भारत का लक्ष्य है GTP में विश्व के

शीर्ष देशों में शामिल यह आत्मनिर्भर Digital लेन-देन स्मार्ट टेक्नोलॉजी तथा हरित उर्जा जल प्रबंधन, और पर्यावरण संरक्षण के वजह से संभव हो सकता है। नीति आयोग में स्पष्टतः वर्णन है- "Economic growth must be inclusive and sustainable to ensure developmnent rea -ches all sections of society. 7

यद्यपि यह 2025 से 2035 के बीच में बुनिया दी तैयारियों जैसे, शिक्षा सुधार, इंटरनेट कनेक्टिमीटि अक्ष्य उर्जा परियोजनाओं की शुरुआत का लक्ष्य है तथा। 2035 से 2040 के बीच मूल्यवर्धित उत्पादन, निर्यात बढ़ाना, स्मार्ट शहर, स्मार्ट गाँव बनाना, अनुसंधान केन्द्र का निर्माण 2040 से 2045 के बीच सभी नागरिकों को जीवन स्तर की गारंटी, हर क्षेत्र में गुणवत्ता का स्तर विकसित करना तथा 2045 से 47 के बीच विश्व के साथ भारत की नई पहचान बनाना है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जो निम्नवत् हैं -

* सामाजिक और क्षेत्रीय असमानताएँ * संसाधन अभाव (पानी, उर्जा, भूमि) * जलवायु परिवर्तन एवं आपदाएँ वैश्विक आर्थिक अस्थिरता * तकनीकि परिवर्तन की गति को पकड़ना * राजनीतिक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता बनाए रखना * भ्रष्टाचार नियामक बाधाएँ नीति असंगति।

निष्कर्ष

NEP 2020 वस्तुतः हमारी भारतीय संस्कृति की खोई हुई ज्ञान, कौशल, मूल्य और नैतिकता की एक पुर्नस्थापना है 5+3+3+4 की संरचना, मल्टी-डिसिप्लिनही शिक्षा को बढ़ावा देना, यह नव भारत के निर्माण की एक आधार - शिला है। भारत का Vision 2047 केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि मानव केन्द्रित प्रगति का स्वप्न है। चह स्वप्न 2047 में मूर्त रूप लेगा। Dr A.B.J. Abdul Kalam ने ठीक ही कहा था- "Dream, dream, dream. Dreams transform to thoughts and thoughts result in action."

संदर्भ

1. गोयन्दका, हरिकृष्णदास, ईशादि नौ उपनिषद गीताप्रेस गोरखपुर- 273005 पृष्ठ संख्या- 333
2. वही पृष्ठ संख्या 362
3. सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः-
4. सत्येन वाति वायुस्य सर्व सत्ये प्रतिष्ठितम् चाणक्य नीति 5.19
5. भगवद्गीता अध्याय 4/37
6. एनसीईआरटी 2021. पृष्ठ 78. नई दिल्ली
7. तिलक 2001 भारत में शिक्षा और विकास नीति और व्यवहार में महत्वपूर्ण मुद्दे सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, पृष्ठ 134
8. नीति आयोग 2023 विजन गांधी @2047 विकासशील भारत का रोडमैप।
9. नई दिल्ली भारत सरकार प्रेस पी-45.
10. अंत।